Maratha Vidya Prasarak Samaj's

# A COURSE IN ENVIRONMENTAL AWARENESS

## CERTIFICATE

This is to Certify that,

Shri./Smt./Kum. Khandave Tejashri Madhukar

of S.Y.B.A. / S.Y.B.Com./S.Y.B.Sc. Class has completed Field Work

Satisfactorily during the Academic Year 2020 - 2021

Project Incharge  Examiner  Principal

Title of Project: वन्यजीव व वनसंवर्धन काळाची गरज


| Sr No. | Content | Page No. | Remarks |
|---|---|---|---|
| | | | |
| 1 | पर्यावरण जागृती - जागृती माहिती | 1-2 | |
| | | | |
| 2 | उ. शीर्षक : वन्यजीव व वनसंवर्धन काळाची गरज | 3 | |
| | | | |
| 3 | प्रकल्प विषयाची निवड : | 4 | |
| | | | |
| 4 | प्रकल्पाची अभ्यासपद्धती | 5 | |
| | | | |
| 5 | प्रकल्पाची उद्दीष्टे | 6-8 | |
| | | | |
| 6 | प्रस्तावना | 9-10 | |
| | | | |
| 7 | प्रकल्पाची सादरीकरण | 11-12 | |
| | | | |
| 8 | प्रकल्प विषयाला अनुसरुन मुद्दे सहित माहिती. | 13-22 | |
| | | | |
| 9 | प्रकल्पाचे महत्त्व | 23-24 | |
| | | | |
| 10 | निरीक्षण | 25-28 | |
| | | | |
| 11 | संदर्भसुची | 29 | |
| | | | |
| 12 | अभिप्राय (स्वतःचे मत) | 30 | |

# पर्यावरण जाणीव जागृती माहिती :-

पृथ्वीवर सर्वात बुद्धीवान जर कोणी असेल तर तो मानव त्यामुळे त्याने आपल्या बुद्धीवत वापर करून पर्यावरणाकडून जसा आपला विकास साधुन घेतला. मात्र परतफेडच्याचे साधु विसरला एखाद्या व्यक्तिकडून व समजाकडून जेव्हा आपण मदत होती तेव्हा त्याच्या प्रतिनेहमी कृतज्ञ राहतो. कधी ही कृतज्ञ होत नाही. हा नियम पर्यावरणाचा मानवाने कधीच पाळला नाही. त्यामुळे आज पर्यावरण बचवा यासारखी वाक्ये कानी पडत आहे. जगातील लोकांच्या मनात पर्यावरणविषयी जाणीव जागृती निर्माण व्हावी पर्यावरणाविषयी जाणीव जागृती निर्माण व्हावी पर्यावरणाचा ऱ्हास थांबावा या उद्देशाने 5 जून हा दिवस जगात पर्यावरण दिन म्हणुन साजरा केला जातो पर्यावरणाने मानवाला अन्नवस्त्र आणि निवारा या तीन मुलभूत सोयीसह अन्य अनेक सुविधा उपलब्ध करून दिल्या आहेत. सुविधा उपलब्ध करून दिल्या परंतु मानवाच्या स्वार्थी अज्ञानी अविचारी वृत्तीने पर्यावरणाचा वेळोवेळ वापर करून त्याचा ऱ्हास केल्यामुळे अनेक जाहीर समस्या निर्माण झाल्या आहेत. औद्योगिक व रासायनिक दुषिती करणामुळे विविध प्रकारचे आजार वाढत आहेत. ओझोन वायुचा ~~क्षय~~ थर आम्लपर्जन्य सागरी परिसंस्थेचा असमतोल प्राणी व पक्षी यांचे नामनेष नागरीकरण वाळवंटीकरण इत्यादी समस्येबाबत वातावरण आकस्मिक बदल हे नव्यानेच झाले त्यामुळे नेत्र नवे संकट आपणासमोर उद्भववत आहे. या सर्व समस्यापासुन तोंड सुटका करून घेण्यासाठी प्रत्येकांनी साधलेल्या पाउल उचलने गरजेचे आहेत.